UNIT-2
Guidance & Counselling

①

Introduction to counselling

परामर्श का अर्थ :-

परामर्श शब्द अंग्रेजी के 'counselling' शब्द का हिन्दी रूपान्तर है, जो लैटिन के 'consillium' से बना है। जिसका शाब्दिक अर्थ है सलाह लेना या परामर्श लेना। अतः परामर्श एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसमे परामर्श प्रार्थी अपने से अधिक अनुभवी, योग्य व प्रशिक्षित व्यक्ति के पास जाकर पूछताछ, विचार विमर्श, तर्क - वितर्क तथा विचारो का विनिमय करता है। इस प्रक्रिया के उपरान्त प्रार्थी समस्या समाधान योग्य होता है, उसका अधिकतम विकास होता है और वह स्वयं निर्णय ले सकने योग्य हो सकता है।

परामर्श क्या है :-

किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत समस्याओं एवं कठिनाईयो को दूर करने के लिए दी जाने वाली सहायता और मार्गदर्शन परामर्श कहलाता है। निर्देशन के अन्तर्गत परामर्श एक आयोजित विशिष्ट सेवा है। यह एक सहयोगी प्रक्रिया है। इसमे परामर्शदाता साक्षात्कार एवं प्रेक्षण के माध्यम से सेवार्थी के निकट जाता है उसे उसकी शक्ति व सीमाओ के बारे मे उसे सही बोध कराते है। परामर्श मे कम से कम दो व्यक्तियों की लिप्तता अवश्य होती है, एक परामर्शक या परामर्श दाता और दूसरा परामर्श प्राप्त करने वाला। परामर्शक को अनुभवी सजग और परिपक्व होना चाहिए जिसका लाभ प्रत्याशी को मिल सके।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

परिभाषाएँ :-

(1) रूथ स्ट्रांग के अनुसार :-
"परामर्श प्रक्रिया समस्या समाधान का सम्मिलित प्रयास है।"

(2) रॉबिन्स के अनुसार :-
"परामर्श शब्द दो व्यक्तियों के सम्पर्क की उन सभी स्थितियों का समावेश करता है। जिसमे एक व्यक्ति को उसके स्वयं के एवं पर्यावरण के बीच अपेक्षाकृत प्रभावी समायोजन प्राप्त करने की सहायता की जाती है।"

(3) ए. जे. जोन्स :-
"परामर्श की प्रक्रिया मे जब तक विद्यार्थी स्वयं इच्छा से भाग नही लेता, सफल नही हो पाता है। प्रार्थी की स्वयं की इच्छा उसे पूरा सहयोग प्रदान करने हेतु प्रेरित करती है।"

(4) वेलबर्ग के अनुसार :-
"परामर्श ऐसा संबंध प्रदान करे जो तात्कालिक व दीर्घकालिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। परामर्श उस समय उपलब्ध हो जब उसकी आवश्यकता हो।

(5) मायर्स के अनुसार :-
"मायर्स का कहना है कि मात्र व्यवसाय के लिए नही वरन जीवन की किसी भी समस्या के समाधान हेतु जो वैचारिक सहायता दी जाती है वह परामर्श होती है।"

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

परामर्श की विशेषताए

(1) समस्यापरक।
(2) वार्तालाप का स्वरूप।
(3) परामर्श का मूल परस्पर विश्वास है।
(4) सहायता प्रदान।
(5) सौहार्दपूर्ण वातावरण।
(7) अधिगम से संबंधित।
(8) निर्देशन प्रक्रिया का सशक्त अंग।
(9) प्रजातान्त्रिक स्वरूप।
(10) व्यावसायिक आधार।
(11) व्यक्तिगत प्रक्रिया।
(12) दो व्यक्तियो का आपसी संपर्क।
(13) निर्देशीय प्रक्रिया।
(14) परामर्श प्रार्थी केन्द्रित।
(15) प्रार्थी स्वयं निर्णय लेने मे सक्षम।
(16) आत्मनिर्भरता।
(17) आत्मविश्वास का विकास।
(18) समस्या समाधान मे सहायता।
(19) प्रत्यक्ष सलाह।
(20) बौद्धिक प्रक्रिया।

परामर्श की प्रक्रिया

परामर्श की प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण घटक लक्ष्य निर्धारण है। इन लक्ष्यो को परामर्शदाता वातावरण एवं समाज के अनुरूप ही निर्धारित किया जाता है। इसलिए परामर्श एक त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है जिसके तीन प्रमुख अंग है,

Scanned with CamScanner

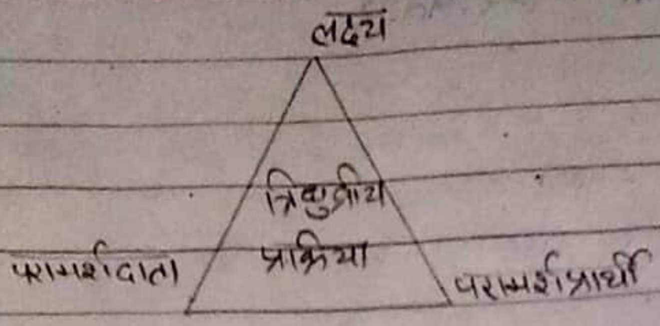

परामर्श की प्रक्रिया

परामर्श प्रक्रिया के चरण

प्रार्थी का खुद परामर्शदाता के पास सहायता हेतु आना।

↓

पूर्व परामर्श सत्र की स्थापना।

↓

सौहार्द्रपूर्ण संबंध की स्थापना।

↓

समस्या का परिचय

↓

समस्या की छानबीन

↓

प्रार्थी के समस्या के बारे मे उसे अवगत कराना।

↓

समस्या समाधान की प्रस्तुति

↓

परिणाम का मूल्यांकन

↓

परामर्श संबंध का समापन

↓

अनुवर्ती सेवा का प्रबन्ध

↓

अपेक्षित परिवर्तन

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

परामर्श प्रक्रिया के पद
विलियमसन और डरले के अनुसार

(1) विश्लेषण :-
यह वह प्रक्रिया है जिससे तथ्यों का संकलन किया जाता है ताकि परामर्शप्रार्थी का अध्ययन किया जा सके।

(2) संश्लेषण :-
इस पद मे एकत्रित की गई सूचनाओं को संगठित या एकत्रित किया जाता है।

(3) निदान :-
इस पद मे समस्या के कारणों का निरीक्षण करके कारणों के बारे मे निष्कर्ष निकाला जाता है।

(4) पूर्व अनुमान :-
निदान के उपयोग के बारे मे कथन देने को पूर्व अनुमान कहा जाता है।

(5) परामर्श :-
परामर्शदाता और प्रार्थी द्वारा समायोजन के लिए उठाये गए कदमों को इस पद मे लिखा जाता है।

(6) अनुवर्तन :-
परामर्शदाता की सेवाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन मे परामर्शप्रार्थी की सहायता करने के प्रयास इस पद मे शामिल रहते है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

परामर्श के सिद्धान्त

(1) स्वीकृति का सिद्धान्त :-

इस सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक प्रार्थी को एक व्यक्तित्व के रूप मे समझा जाए और उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाए। व्यक्ति के अधिकारो को परामर्शदाता पूर्ण सम्मान प्रदान करे।

(2) व्यक्ति के साथ विचार करने का सिद्धान्त :-

परामर्श व्यक्ति के साथ सोचने पर बल देता है। यह परामर्शदाता की भूमिका है कि वह प्रार्थी के आसपास की सभी व्यक्तियो के बारे मे सोचे, प्रार्थी की चिन्तन प्रक्रिया में शामिल हो।

(3) सीखने का सिद्धान्त :-

परामर्श की सभी विचारधाराएँ परामर्श प्रक्रिया मे सीखने के तत्वो की विद्यमानता को मानते है।

(4) व्यक्ति के सम्मान का सिद्धान्त :-

परामर्श ऐसा संबंध है जिसमे कुछ आशा बंधती है तथा वातावरण व्यक्ति के अनुकूल होने लगता है। सभी विचारधाराएँ परामर्श के सापेक्ष संबंध को स्वीकार करती है

(5) लोकतंत्रीय आदर्शो के साथ निरन्तरता का सिद्धान्त :-

लोकतांत्रिक आदर्श व्यक्ति को स्वीकार करने की मांग करता है और दूसरे के अधिकारो का उपयुक्त सम्मान चाहते है। परामर्श की प्रक्रिया व्यक्तिगत विभिन्नताओ को मानने वाली प्रक्रिया है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

UNIT- 2

Approaches to counselling

प्र० परामर्श प्रदान करने की मुख्य प्रविधियां कौन-2 सी है। व्याख्या कीजिए!

उ०: परामर्श एक ऐसी व्यक्तिगत प्रक्रिया है जो एक कुशल व्यक्ति के द्वारा समस्या ग्रस्त व्यक्ति को उसकी जरूरत, आवश्यकताओं तथा योग्यताओं के अनुसार दी जाती है। इसमे परामर्श देने वाला एक्सपर्ट होता है, तथा वह परामर्श समस्या ग्रस्त व्यक्ति के मांगने पर देता है।

परामर्श के प्रकार

1. निर्देशित परामर्श (परामर्शदाता आधारित)
2. अनिर्देशित परामर्श (परामर्श-प्रार्थी आधारित)
3. समन्वित परामर्श (परामर्शदाता और परामर्श-प्रार्थी के समन्वय आधारित)

(1) निर्देशित परामर्श:

इस परामर्श के मुख्य प्रवर्तक मिनीसोटा विश्वविद्यालय के ई. जी. विलियम्सन है। इस विचारधारा को सूचनात्मक या परामर्शदाता केन्द्रित परामर्श भी कहा जाता है। इस उपगम को परामर्शदाता-केन्द्रित या समस्या केन्द्रित परामर्श भी कहा जाता है। इस विचारधारा को स्वीकार करने वाले परामर्शदाता प्रार्थी की समस्याओं को उनकी बौद्धिकता के चेतन उपयोग द्वारा हल करने मे सहायता करते है।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार का परामर्श उन छात्रों को दिया जाता है जो कैरियर बनाने के लिए जानकारी तथा सलाह चाहते है। यह व्यक्तित्व विकास पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित नही करता है।

मान्यताएँ :—

* इसके अनुसार हमारी कोशिशो का केन्द्र परामर्शी की समस्या होनी चाहिए,
* इस सिद्वान्त के अनुसार परामर्शदाता परामर्शी से अधिक कुशल होता है! वह उससे अधिक सक्रिय भाग लेता है,
* यह संवेगात्मक पक्ष की अपेक्षा बौद्विक पक्ष को ज्यादा महत्व देता है,
* परामर्शी पर्याप्त जानकारी के अभाव मे अपनी समस्या को हल करने मे असमर्थ होता है,
* परामर्शदाता परामर्शी को समझा कर तथा सलाह देकर निर्देशित करने की कोशिश करता है

निर्देशित परामर्श के चरण

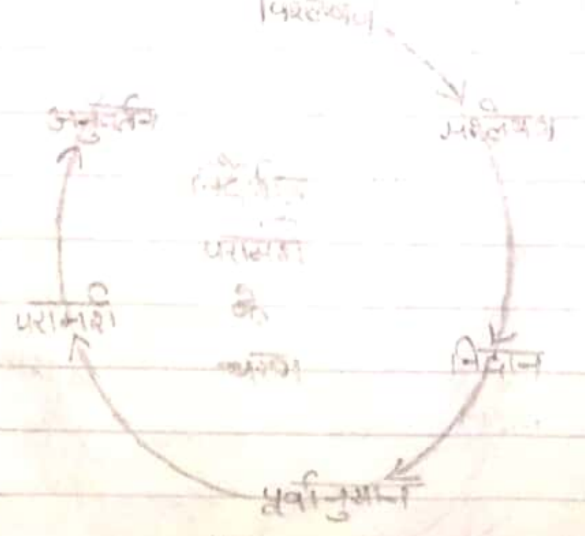

निर्देशित परामर्श के लाभ

- → समय की बचत
- → समस्या पर बल
- → बौद्धिक पक्ष पर बल
- → प्रत्यक्ष विधि
- → रोजमर्रा की समस्याओं के लिए उपयोगी
- → मानसिक, शारिरीक, संवेगात्मक रूप से अयोग्य व्यक्तियों के लिए लाभकारी
- → समस्याओं का शीघ्र हल
- → मन्द बुद्धि बालकों के लिए उत्तम
- → अधिक स्थायी
- → प्रभावपूर्ण

निर्देशित परामर्श के दोष

- → परामर्श प्रार्थी की अवहेलना
- → स्व निर्देशन का अभाव
- → परामर्श दाता पर आश्रितता
- → परामर्श प्रार्थी निष्क्रिय
- → संवेगात्मक समस्याओं के समाधान में असफल
- → व्यवहारिक पक्ष की अवहेलना
- → परामर्शदाता द्वारा पक्षपात
- → प्रार्थी भविष्य में भी गलतियां कर सकता है।
- → सटीक जानकारी के अभाव से गलत परामर्श
- → प्रार्थी का दृष्टिकोण अविकासित
- → प्रार्थी को स्वतन्त्रता नही
- → स्वनिर्देशन में वृद्धि नही

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(२) अनिर्देशनीय परामर्श

इस विचारधारा के प्रवर्तक कार्ल रोजर्स है। इस विधि के अनुसार परामर्शदाता ऐसा भयमुक्त वातावरण का निर्माण करता है जिसमे प्रार्थी स्वयं के विचारो, इच्छाओ एवं भावनाओ को परामर्शदाता के साथ साझा करता है, यह विधि प्रार्थी केन्द्रित होती है इसलिए इसमे किसी भी तरह की जिम्मेदारी परामर्शदाता की न होकर प्रार्थी की होती है। इसमे बौद्धिक पक्ष से ज्यादा भावना तथा संवेग पर बल दिया जाता है।

मान्यताएँ :-

* बौद्धिक पक्षो से संवेदात्मक पक्ष अधिक महत्वपूर्ण होते है।
* प्रार्थी मे जीवन के पक्षो को समझने की क्षमता को विकसित करना।
* प्रार्थी स्वनिर्देशित बनता है,
* कल्पनाओ के अनुसार अपने व्यक्तित्व का निर्माण करता है।
* प्रार्थी स्वयं के कुसमायोजित व्यवहार मे परिवर्तन लाता है।

अनिर्देशित परामर्श के चरण :-

1. समस्या की परिस्थिति को परिभाषित करना।
2. भावनाओ की स्वतंत्र अभिव्यक्ति
3. सकारात्मक व नकारात्मक भावनाओ का वर्गीकरण
4. सूझ का विकास
5. परामर्श स्थिति समाप्त करना

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

अनिर्देशित परामर्श के लाभ

- निश्चित प्रक्रिया
- समायोजन मे सहायक
- संवेगात्मक समस्याओ का हल
- सम्पूर्ण विकास
- प्रार्थी का आत्म ज्ञान विकसित
- स्व वर्णन का अवसर
- व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से प्रयोग
- प्रार्थी स्वतंत्र
- निर्णय की स्वतंत्रता
- प्रार्थी स्वयं जिम्मेदार
- सुनने व समझने पर जोर
- समस्या समाधान की योग्यता विकसित
- सरल व साधारण
- सकारात्मक सृजनात्मक परिवर्तन

अनिर्देशित परामर्श के दोष

- अधिक समय
- भूतकाल की परिस्थितियो की अवहेलना
- परामर्शदाता निष्क्रिय
- सभी प्रकार की परिस्थितियो से उपयोग नही
- अपरिपक्व परामर्श प्रार्थी के लिए उपयुक्त नही
- विद्यालय के लिए सम्भव नही।
- वैयक्तिक सम्पर्क का प्रभाव
- प्रार्थी के निर्णय पर निर्भर नही
- भावनाओ की सही अभिव्यक्ति नही
- संवेगात्मक पक्ष पर अधिक बल
- प्रार्थी केन्द्रित

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(3) समन्वित परामर्श।

इस परामर्श के प्रवर्तक एफ० सी० थार्न है। यह परामर्श निर्देशित तथा अनिर्देशित परामर्श दोनो का संयोग होता है। यह दोनो का मध्य मार्ग होता है। इसमे परामर्शदाता परामर्शी की आवश्यकता के अनुसार परामर्श का चयन किया जाता है। परामर्शदाता निर्देशिय परा-मर्श से आरम्भ करता है और आवश्यकता पड़ने पर अनिर्देशिय परामर्श को भी अपना लेते है।

मान्यताए :-

* परामर्श प्रार्थी की समस्या से संबन्धित सूचनाओ को एकत्रित करता है।
* विभिन्न परीक्षणो का प्रयोग।
* प्रार्थी को स्वतंत्रतापूर्वक विचारो को प्रदर्शित करने का पर्याप्त अवसर!
* अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान।
* परामर्शदाता द्वारा सूचनाओ का विश्लेषण
* परामर्शदाता व परामर्श-प्रार्थी दोनो सक्रिय भूमिका मे अपना योगदान देते है

समन्वित परामर्श के चरण :-

1. प्रार्थी की आवश्यकताओ का अध्ययन
2. प्रविधियो का चयन
3. प्रयोग
4. प्रभावशीलता का मूल्यांकन
5. परामर्श की तैयारी
6. प्रार्थी तथा अन्य अनुभवी व्यक्तियो की राय प्राप्त
7. परामर्श की समाप्ति

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

समन्वित निर्देशन के लाभ

- → समन्वयक विधी का प्रयोग
- → कार्यक्षमता पर अधिक बल
- → कम खर्चीली
- → सभी प्राविधियो का प्रयोग
- → प्रार्थी को समस्या समाधान का पूर्ण अवसर
- → परामर्शदाता और परामर्श प्रार्थी दोनो को समान महत्व
- → अधिक प्रभावशाली
- → व्यवहारिक
- → स्व निर्देशन की क्षमता विकासित
- → समय की बचत
- → शक्ति की बचत
- → आंतरिक व बाहरी वातावरण को हाइलिगत
- → विविध समस्याओ का समाधान सम्भव
- → उचित तालमेल विकासित
- → आवश्यतानुसार परिवर्तन

समन्वित निर्देशन के दोष

- → विधी पूर्वक आयोजन नही
- → स्थिरता मे कमी
- → अत्याधिक कुशलता की आवश्यकता
- → अवसरवादिता
- → परिणाम प्राप्ति मे दुविधा
- → अधिक लचीलापन
- → परामर्शदाता की अवहेलना की संभावना
- → समन्वित का आयाम असम्भव
- → परिणाम कम प्रभावपूर्ण
- → निर्देशित व अनिर्देशित परस्पर विरोधी

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

UNIT - 2

(1)

परामर्शदाता की विशेषताएँ

विशिष्ट एवं सुनिश्चित परिस्थितियो मे ही परामर्श प्रदान किया जाता है तथा इसके लिए परामर्श देने वाले व्यक्ति मे विभिन्न प्रकार की योग्यताओ एवं कौशलो का होना आवश्यक होता है। पूर्णतया प्रशिक्षित, व्यवसाय के प्रति निष्ठावान व्यक्ति ही इस प्रक्रिया को सम्पन्न कर सकता है। उपबोध्य मे अपना विश्वास उत्पन्न करके उसे सहज और नि:संकोच रूप मे अपनी बात कह देने के लिए प्रेरित कर देना ही स्वयं मे एक ऐसी योग्यता है जिसका विकास सहज ही सम्भव नही है।

परामर्शदाता की विशेषताएँ

परामर्श के प्रक्रम मे परामर्शदाता महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परामर्श की सफलता बहुत अंशो तक परामर्शदाता की प्रतिभा, ज्ञान तथा दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। परामर्श के सम्पूर्ण प्रक्रम मे परामर्शदाता का कार्य उसके व्यक्तित्व एवं इसके गुणो से प्रभावित होता रहता है।

(1) शारीरिक तथा स्नायुविक ऊर्जा
(2) उद्देश्य व दिशा का ज्ञान
(3) उत्साह
(4) मित्रता, प्यार
(5) सत्यनिष्ठता
(6) बुद्धि
(7) विश्वास
(8) कुशलता

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(9) निश्चय की क्षमता
(10) तकनीकी की दक्षता
(11) पारस्परिक संबंधो को विकसित करने की योग्यता
(12) दूसरो की आवश्यकताओं का ध्यान
(13) दूसरो के दृष्टिकोण के प्रति सहिष्णुता
(14) व्यक्तियो को समझना
(15) सामाजिक संवेदनशीलता
(16) ईमानदारी
(17) निष्ठा
(18) व्यक्तियो से मिलने -जुलने की योग्यता
(19) व्यक्तियो से रूचि रखना
(20) धैर्य
(21) पारस्परिक संबंधो में सौहार्द्र
(22) दूसरे व्यक्तियो को प्रभावित करना
(23) नेतृत्व करने की योग्यता
(24) सहयोग देना
(25) उत्तम आचरण
(26) मानव प्रकृति मे आस्था
(27) सहायता करना
(28) स्वास्थ्य
(29) मृदुभाषी
(30) आकर्षक रूपरेखा
(31) स्वच्छता
(32) बुद्धि कार्य क्षमता
(33) आत्मविश्वास
(34) पूर्वअनुभवो से लाभ उठाने की योग्यता
(35) स्पष्ट करने की योग्यता
(36) वैयक्तिक समायोजन
(37) मापन परीक्षण की जानकारी

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

परामर्शदाता की भूमिका

(1) विद्यालय, घर और समाज के मध्य संबंध विकसित करने में सहायता देना।

(2) छात्रों को स्वयं को समझने तथा भविष्य की योजना बनाने में सहायता देना।

(3) छात्रों को विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों और विभिन्न व्यवसायों से संबंधित सूचनाएँ प्रदान करना।

(4) विद्यालय से संबंधित विभिन्न समितियों में रुचि प्रदर्शित करना तथा भाग लेना।

(5) विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की परीक्षाओं से अवगत करना।

(6) विद्यार्थियों की रुचियों, अभिरुचियों, योग्यताओं तथा शारीरिक गुणों का वस्तुनिष्ठ रूप में मापन करना।

(7) संवेगिक कठिनाइयों को अनुभव करने वाले छात्रों को संबंधित विशेषज्ञों के पास भेजना।

(8) निर्देशित सेवार्थी का उत्तरोत्तर अध्ययन करना।

(9) निर्देशित सेवाओं के परिणामों का मूल्यांकन किया जाए।

(10) छात्रों की वास्तविक स्थिति का अध्ययन करने हेतु भ्रमण की योजना बनाना।

(11) युवकों को नौकरियों में स्थापित करने में युवक नियोक्ता सेवाओं की सहायता करना।

(12) विद्यार्थियों में स्वतः प्रेरणा एवं स्वतन्त्रता की भावना का विकास करना।

(13) आत्म निर्देशन में प्राप्ति करने हेतु विद्यार्थियों की सहायता करना।

(14) विद्यार्थी के पारिवारिक वातावरण, आर्थिक स्तर तथा व्यक्तित्व से संबंधित विभिन्न पक्षों के संबंध

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

मे जानकारी प्रदान करना।

(15) विद्यालय से गहरा संबंध बनाये रखना।

(16) समय-समय पर अभिभावकों की बैठक, व उनसे सम्पर्क बनाये रखने की कोशिश करना।

(17) छात्रों का मनोवैज्ञानिक परीक्षण करना।

(18) छात्रों को विभिन्न व्यवसायों से संबंधित सूचनाएँ प्रदान करना।

(19) विद्यालय के ऐसे शिक्षकों की सहायता करना, जिनकी कक्षा मे समस्यात्मक बालक होते है।

(20) छात्रों को आत्म-मूल्यांकन करने मे सहायता प्रदान करना।

(21) भविष्य हेतु योजनाओ के निर्माण मे बालकों की सहायता करना।

(22) अन्य विद्यालय कर्मचारियों को निर्देशन सेवाओं के सम्बंध मे जानकारी प्रदान करना।

(23) सामाजिक समायोजन को प्रोत्साहित करने हेतु सामूहिक ~~निर्देशन~~ परामर्श की व्यवस्था करना।

(24) छात्रों को उनके परीक्षाफलो से परिचित कराना।

(25) छात्रों की योग्यताओं, रूचियों, अभियोग्यताओं एवं शारीरिक गुणो का वस्तुनिष्ठ मापन करना।

(26) विद्यालय के परामर्श कार्यक्रम हेतु अनुसन्धान एवं मूल्यांकन कार्य करना।

(27) विद्यालय मे भिन्न-भिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमो के संबंध मे सूचनाएं संकलित करना।

(28) पाठ्यक्रम के संबंध मे एकत्रित सूचनाओ को विद्यार्थियों को प्रदान करना।

(29) सामाजिक समायोजन को प्रोत्साहित।

(30) आत्म निर्देशन मे प्रगति कर सके।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

छात्रो के साथ कार्य करने हेतु
आवश्यक गुण

(1) परामर्शदाता मे छात्रो का साक्षात्कार लेने की योग्यता होनी चाहिए।
(2) परामर्शदाता उसको परामर्श देने की क्रिया का ज्ञान एवं कौशल होना चाहिए।
(3) समाजमिति का निर्माण करने तथा उसको अर्थ प्रदान करने की योग्यता परामर्शदाता मे होनी चाहिए
(4) छात्रो के व्यक्तित्व को मूल्यांकन करने की योग्यता उपबोध्य मे होनी चाहिए।
(5) परामर्श दाता मे सामूहिक परिक्षाये आयोजित करने एवं प्रशासन की योग्यता होनी चाहिए।

अभिभावको के साथ कार्य करने हेतु परामर्शदाता के आवश्यक गुण :-

(1) अभिभावको का विश्वास प्राप्त करने की योग्यता परामर्शदाता मे होनी चाहिए।
(2) अभिभावको का सम्मेलन आयोजित करने की योग्यता भी उसमे होनी चाहिए।
(3) छात्रो की समायोजन से संबंधित समस्याओ को दूर करने मे अभिभावको से सहयोग प्राप्त करने की योग्यता के साथ-साथ परामर्शदाता मे अभिभावको से सम्मान अर्जित करने की क्षमता एवं योग्यता भी होनी चाहिए।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

6

शिक्षकों के साथ कार्य करने हेतु परामर्शदाता के आवश्यक गुण :-

(1) उसमे विभिन्न सेवाकालीन कार्यक्रमो को संगठित करने की कुशलता होनी चाहिए।
(2) प्रधानाचार्य तथा शिक्षकों का विश्वास प्राप्त करने की योग्यता।
(3) उसमे विद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष से सहयोग प्राप्त करने की योग्यता होनी चाहिए।
(4) परामर्शदाता मे समिति का नेतृत्व करने की योग्यता भी होनी चाहिए।

समाज के साथ कार्य करने हेतु आवश्यक गुण :-

(1) उसमे विभिन्न सामाजिक सेवाओं से सहयोग प्राप्त करने की योग्यता होनी चाहिए।
(2) नियोक्ताओं के साथ मधुर संबंध बनाने की योग्यता होनी चाहिए।
(3) विभिन्न प्रकार की सामाजिक क्रियाओं मे भाग लेने की योग्यता भी उसमे होनी चाहिए।
(4) इसके साथ-साथ निर्देशन कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समाज का सहयोग प्राप्त करने की योग्यता होनी चाहिए।

मनोवैज्ञानिक के परामर्श संबंधी महत्वपूर्ण कार्य :-

(1) विभिन्न प्रकार की वैयक्तिक एवं सामूहिक परीक्षाओं का प्रशासन करना।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(2) परीक्षाओं से प्राप्त परिणामों की व्याख्या तथा उन्हें अर्थ प्रदान करना।
(3) उसे बाल - मनोविज्ञान का ज्ञान होना चाहिए।
(4) अनुसंधान के लिए बनाई गई योजनाओं को क्रियान्वित करना।
(5) उसे परामर्श कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न प्रकार की क्रियाओं का ज्ञान होना चाहिए।
(6) समाज से संबंधित परामर्श कार्यक्रम को संगठित किस प्रकार किया जाए। इसकी जानकारी भी परामर्शदाता को होनी चाहिए।
(7) मनोवैज्ञानिक परीक्षणों तथा अन्य समस्याओं को हल करने वाले साधनों के द्वारा छात्रों के व्यक्तित्व का विश्लेषण करने में योगदान देना।
(8) छात्रों की संवेगात्मक तथा अन्य समस्याओं को हल करने तथा अधिकतम समायोजन प्राप्त करने में मनोवैज्ञानिक सहायता करता है।
(9) प्रतिभाशाली और हीन भावना से ग्रस्त छात्रों का निदान और उपचार करना भी मनोवैज्ञानिक कार्य है।

निष्कर्ष :-

परामर्श व्यक्ति की व्यक्तिगत, शैक्षिक, व्यावसायिक तथा मनोवैज्ञानिक क्षेत्र से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए अत्यन्त आवश्यक है। छात्र को अपने उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से समझने, उनका निर्धारण करने, उनकी ओर अग्रसर होने, व्यावसायिक समायोजन करने के लिए छात्र का समय-समय पर आत्म मूल्यांकन करने में सहायता देने के लिए भी परामर्श आवश्यक होता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner